नरक की आग से मुक्ति

रेटिंग:

विवरण: [illegible]

श्रेणी: लेख परलोक नरक की आग

श्रेणी: लेख इस्लाम के फायदे नरक की आग से मुक्ति

द्वारा: islam-guide.com

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

ईश्वर ने क़ुरआन में कहा है:

"जिन लोगों ने ईमान नहीं लाए और बिना ईमान लाए ही मर गए, तो उनमें से किसी को भी छुड़ाने के लिए अगर कोई एक सोने से भरा पहाड़ भी दे दे, तो भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्हें दर्दनाक अज़ाब (सज़ा) मिलेगी, और उनका कोई मददगार भी नहीं होगा।" (क़ुरआन 3:91)

तो, यह जीवन हमारे लिए स्वर्ग में जाने और नरक की आग से बचने का एकमात्र मौका है, क्योंकि अगर कोई बिना ईमान लाए ही मर जाता है, तो उसके पास इस दुनिया में ईमान लाने के लिए वापस आने का दूसरा मौका नहीं होगा। जैसा कि ईश्वर ने क़ुरआन में कहा है कि क़ियामत के दिन अविश्वासियों के साथ क्या होने वाला है।

"यदि आप देख सकते हैं कि जब वे नरक के आग के सामने रखे जाएंगे और तब कहेंगे," क्या हम (दुनिया में) लौट सकते हैं! तो हम अपने ईश्वर की आयतों को नहीं झुठलाएंगे, बल्कि ईमान वालों में से होंगे!" (क़ुरआन 6:27)

लेकिन यह दूसरा मौका किसी के पास नहीं होगा।

पैगंबर मुहम्मद ने कहा: दुनिया का सबसे खुशहाल आदमी जो गुनहगार पाया गया, उसे एक बार कयामत के दिन नरक के आग में डुबोया जाएगा। ईश्वर की दया और आशीर्वाद उस पर हो सकता है। तब उस

से पूछा जाएगा, 'आदम के पुत्र, क्या तुमने कभी कोई अच्छा देखा? क्या तुमने कभी किसी आशीर्वाद का अनुभव किया?' तो ईश्वर की ओर से वह कहेगा, *?? ????? '????!*'"[1]

फुटनोट:

[1] सहीह मुस्लिम, #2807, और मोसनद अहमद, #12699 में सुनाई गई।

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/index.php/hi/articles/243

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।